Topic: खोरठाक बाइक संरचना

भाषा अइसन माध्यम लागय जेकर से अपन मनेक बात का बिचार दोसर तइक पहुँचावल जाइ पारय। भाषा के आधार लागे 'सादा'। एहे सादा के मेल से सबद बने है। सबद के अइसन बेवस्थित रूपें सजावल जाहे तखन इ बाइक बने है। मनेक

सादा —से→ सबद —से बेवस्थित रूपें→ बाइक

मेँ गदिया खाता-गीता देखल जाय पारय। अइसन बाइक बदल जाहे ताँज हामनिक मनेक (मन का) बात दोसर के लोक ठिन पहुँचावल जाय पारय।

एकरा एगो पटतर रूपें इ निअर बुझल जाइ पारय। जइसे 'किताब' कहल जाय ताँज एकर से कोन्हों अरथ सुपट नाँज होवे है। मुदा अइसन कहल जाइ कि —

(1) टेबुलवाँय किताब राखल है।
(2) राम किताब पढ़े है।

ताँज हिंआ एकर अरथ सुपट मैं जाहे।

Imp.

बाक्य के परिभासा

ः अरथ बतवइया सार्थक सबदन के समूह जेकरा से कौनों बात या विचार के एक ठिन से दोसर ठिन पहुँचावल जाए, ओकरा बाक्य कहल जाए।

बाक्य के अंग

बाक्य के दुइ अंग होवे हे —

1. उद्देस (Subject)
2. बिधेय (Predicate).

1. उद्देस

जेकर बारें कुछ कहल जाइ ओकरा उद्देस कहल जाए।

जइसे — 'दिनू' खेत जोते हे।

इ बाक्यें 'दिनू' उद्देस लागय किलैकि ओकर बारें कहल जाइ रहल है।

② बिधेय

उद्देस के बाद बचल बाक्य के बिधेय कहल जाहै।

जइसे — 'दिनू' खेत जोते है।

इ बाक्यें 'खेत जोते है' बिधेय लागय।

बाक्यके भेद

बनावट के हिसाब से बाक्यके तीन खाँधें बाँटल गेल है —

① सीधा / सरल बाक्य
② संजोगी / संयुक्त बाक्य
③ मेसर-कोसर (मिश्रित) बाक्य

① सीधा / सरल बाक्य

जइसन बाक्य जेकर में एगो करता (उद्देस) आर एगो किरिआ (बिधेय) रहे है ओकरा सीधा बाक्य कहल जाहै।

जइसे — ① आँधी अइलय।
② गाछ गिरलय।
③ बिजुन रसकुल जाहै।
④ रामू खेत जोते है।

रामू ↓ उद्देस; खेत जोते है ↓ बिधेय

② संजोगी वाक्य

वइसन वाक्य जेकर में दुगो सरल वाक्य संजोगी का जोरनी सबद से मिला के बनवल जाहे, संजोगी वाक्य कहल जाहे।

[जोरनी सबद → मैंटुक, आर, किलकि]

जइसे :— ① आँधी अइलय।
② गाछ गिरलय।

ऊपर दुगो सरल वाक्य के पटतर दियल गेल हे, ई दुइयो वाक्य के 'आर' जोरनी सबद से जोड़ल जाय तँ— 'आँधी अइलय आर गाछ गिरलइ' संजोगी वाक्य बनत जाहे।

संजोगी वाक्य के दुइयो सरल वाक्य मोटा-मोटी एक बराबर लंबाई के रहे हे। सइ खातिर एकरा 'समानाधिकरन' वाक्यो कहल जाहे।